वर्ष-11 | अंक-36 | भोपाल, 27 अप्रैल से 03 मई 2026 तक

पृष्ठ-12 | RNI NO. MPHIN/2015/63623

साप्ताहिक

न्यूज क्राइम फाइल

मुल्य- 02 रूपये

ग्वालियर, भिंड, मुरैना, छतरपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सिवनी, जबलपुर, रीवा, सतना, होशंगाबाद, हरदा एवं इंदौर में प्रसारित।

गेहूं उपार्जन में किसानों को किसी भी प्रकार की तकलीफ न हो : मुख्यमंत्री

उदय प्रताप सिंह चौहान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों के हित में गेहूं उपार्जन का लक्ष्य 78 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 100 लाख मीट्रिक टन कर दिया है। लघु एवं सीमांत कृषकों के साथ-साथ मध्यम एवं बढ़े किसानों के लिये भी स्लॉट बुकिंग प्रारम्भ कर दी गई है। उपार्जन केंद्रों की क्षमता 1000 क्विंटल प्रतिदिन से बढ़ाकर 2250 क्विंटल प्रतिदिन कर दी गई है। स्लॉट बुकिंग की तारीख 30 अप्रैल से बढ़ाकर 09 मई कर दी गई है। इन निर्णयों के परिणामस्वरूप किसानों की आवक केंद्रों पर अब तेजी से बढ़ेगी। कलेक्टर्स अपने-अपने जिलों में तद्नुसार प्रबन्ध सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंडियों में अपनी उपज बेचने आ रहे किसानों को समस्त प्रकार की सुविधायें उपलब्ध हों और किसी भी प्रकार से तकलीफ न हो। उपार्जन केन्द्रों पर तौल कांटें, हम्माल, छाया, पानी आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सभी कलेक्टर्स प्रतिदिन गेहूं खरीदी, परिवहन व्यवस्था, भंडारण तथा कृषकों के भुगतान की आवश्यक रूप से समीक्षा करें। चना और मसूर की खरीदी मण्डी में शेड के अंदर की जाए ताकि असमय बारिश से नुकसान न हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चना-मसूर उपार्जन की व्यवस्था के संबंध में जिला स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से प्रदेश में गेहूं उपार्जन की समीक्षा के दौरान यह निर्देश जिला कलेक्टर्स दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गेहूं उपार्जन का लक्ष्य 100 लाख मीट्रिक टन करने के? लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार माना।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में आवश्यक बारदानों की व्यवस्था की जा चुकी है। प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर 7 दिवस की खरीदी के लिए बारदान की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर न्यूनतम 6 इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटों की व्यवस्था हों और निर्धारित मापदंडों के अनुसार ही गेहूं का उपार्जन किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उपार्जन केन्द्रों के अतिरिक्त कृषकों द्वारा मंडी में किए जा रहे उपज विक्रय की भी सतत् निगरानी की जाए, जिससे कृषकों को कोई समस्या न हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुना, रायसेन, दतिया, सीधी, विदिशा के कलेक्टर्स से वर्चुअली संवाद कर जिलों की व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में 3 हजार 516 उपार्जन केन्द्र संचालित हैं। कुल 8 लाख 55 हजार कृषकों द्वारा स्लॉट बुकिंग कराई गई है, जिनमें से 3 लाख 96 हजार कृषकों से 16 लाख 60 हजार मीट्रिक टन गेहूं उपार्जित कर 2 हजार 527 करोड़ रूपए राशि का भुगतान किया जा चुका है। मध्यम एवं बड़े श्रेणी के 40 हजार 457 कृषकों द्वारा 5 लाख 88 हजार मीट्रिक टन मात्रा के स्लॉट बुक किए गए हैं। किसानों को तहसील के स्थान पर जिले के किसी भी उपार्जन केन्द्र पर उपज विक्रय की सुविधा दी गई है। भारत सरकार द्वारा चमक विहीन गेहूं की सीमा में 50 प्रतिशत तक शिथिलता प्रदान की गई है। इसी प्रकार कम पानी के कारण अल्प विकसित दाने की सीमा 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत और क्षतिग्रस्त दानों की सीमा 6 प्रतिशत बढ़ाई गई है। बैठक में कृषि मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना, सहकारिता मंत्री श्री विश्वास सारंग, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव श्री नीरज मंडलोई, कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक बर्णवाल तथा संबंधित विभागों के प्रमुख सचिव व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बारहवीं बोर्ड टॉपर छात्राओं को प्रोत्साहनस्वरूप दी जाएगी एक-एक लाख रुपये की राशि: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बारहवीं बोर्ड की प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं कु. खुशी राय और कु. चांदनी विश्वकर्मा को एक-एक लाख रूपए की प्रोत्साहन प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दोनों छात्राओं को पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्रम भेंट कर सम्मानित कर बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दोनों छात्राओं को पुस्तकें भी भेंट कीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से भेंट करने तथा आशीर्वाद प्राप्त करने दोनों छात्राएं समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) आईं थीं। उल्लेखनीय है कि कु. खुशी राय शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय भोपाल और कु. चांदनी विश्वकर्मा गुरूदेव शिक्षा केन्द्र नीलबड़ भोपाल की छात्राएं हैं। दोनों छात्राओं ने माध्यमिक शिक्षा मंडल की बारहवीं बोर्ड की परीक्षा में 500 में से 494 अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

आज गढ़ाकोटा में मेला रहस लोकोत्सव का शुभारम्भ मप्र के मुख्यमंत्री माननीय श्री मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।
गोपाल भार्गव -विधायक रहली, पूर्व मंत्री

एमपीपीएससी प्रीलिम्स के अभ्यर्थियों के परिजनों को कार ने टक्कर मारी-

ड्राइवर से अचानक एक्सीलेटर दबा; रायसेन में परीक्षा के बीच हादसा

न्यूज क्राइम फाइल

मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग की राज्य सेवा और राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2026 रविवार को दो सत्रों में आयोजित की जा रही है। पहला सत्र सुबह 10 से 12 बजे और दूसरा सत्र दोपहर 2ः15 से शाम 4ः15 बजे तक होगा। परीक्षा ओएमआर पद्धति से हो रही है। प्रदेश के 54 जिला मुख्यालयों में कुल 365 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इधर, रायसेन में एमपीपीएससी परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्र के बाहर एक कार अचानक बेकाबू होकर वहां खड़े अभ्यर्थियों के परिजनों और चार बाइकों पर चढ़ गई। जानकारी के अनुसार परीक्षा समाप्त होने से कुछ देर पहले एक अभ्यर्थी का ड्राइवर कार को रिवर्स ले रहा था। इसी दौरान अचानक एक्सीलेटर तेज दब गया, जिससे कार अनियंत्रित हो गई और पास खड़े लोगों व बाइकों को टक्कर मार दी। हादसे में एक बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि दो लोगों के पैरों में चोट आई है। सूचना मिलते ही तहसीलदार भरत सिंह मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। पुलिस को भी सूचना दी गई, जिसके बाद कार चालक और वाहन को कब्जे में लेकर थाने पहुंचाया गया।

घायलों का इलाज, जांच जारी

घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पहली पाली की परीक्षा सुबह 10 बजे शुरू हुई। परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों को थ्री लेयर सिक्योरिटी चेकिंग के बाद ही प्रवेश दिया गया। इस व्यवस्था में पहले फिजिकल चेकिंग, फिर बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन और आखिरी में हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टरसे जांच की जा रही है। हर अभ्यर्थी को इस प्रक्रिया में 5 से 7 मिनट का समय लग रहा है, इसी कारण रिपोर्टिंग टाइम 90 मिनट पहले रखा गया है। परीक्षा शुरू होने से 30 मिनट पहले ही केंद्रों के गेट बंद कर दिए गए। नर्मदापुरम में 10 बजते ही गेट बंद कर दिए गए, वहीं एक छात्रा दौड़ते हुए समय पर परीक्षा केंद्र पहुंची।

परीक्षा सेंटर्स में पुलिस बल भी तैनात

परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों से अंगूठी, चैन, जूते, बेल्ट समेत अन्य धातु के सामान उतरवाकर ही प्रवेश दिया गया। कई जगहों पर जूते-मोजे तक बाहर रखवाए गए। पुरुष अभ्यर्थियों की जांच पुरुष स्टाफ और महिला अभ्यर्थियों की जांच महिला स्टाफ द्वारा की गई। अभ्यर्थियों को केवल बॉलपेन, पारदर्शी पानी की बोतल, ई-एडमिट कार्ड और आईडी कार्ड ले जाने की अनुमति दी गई। परीक्षा केंद्रों पर पुलिस बल भी तैनात किया गया है। इंदौर के बाल विनय मंदिर स्कूल में थ्री लेयर चेकिंग के दौरान कुछ अभ्यर्थियों के चश्मों की भी मेटल डिटेक्टर से जांच कर पूछताछ के बाद प्रवेश दिया गया। भोपाल के हमीदिया स्कूल में अंगूठियां, मोबाइल, चाबियां अलग रखवाकर ही प्रवेश दिया गया। देवास में छात्राओं से ज्वेलरी, क्लचर और क्लिप उतरवाए गए।

जबलपुर में 14 केंद्रों पर करीब 5000 अभ्यर्थी परीक्षा दे रहे हैं, जहां सख्त जांच व्यवस्था लागू है। खालसा कॉलेज में अभ्यर्थियों के जूते-मोजे बाहर ही उतरवाए गए। छिंदवाड़ा में 10 केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गई है, जहां पुलिस लाइन और स्थानीय थानों का बल तैनात है। दमोह के एक्सीलेंस स्कूल केंद्र पर आंखों की जांच के बाद प्रवेश दिया गया।

अभ्यर्थियों ने थ्री लेयर चेकिंग को सकारात्मक बताते हुए कहा कि इससे फर्जी उम्मीदवारों पर रोक लगेगी। वहीं नेगेटिव मार्किंग को लेकर उनका कहना है कि इससे योग्य अभ्यर्थियों को फायदा मिलेगा और केवल सही उम्मीदवार ही मुख्य परीक्षा तक पहुंच पाएंगे।

सीहोर में खरीदे प्लॉट,14 साल बाद भी नहीं हुआ विकास : प्लॉट मालिकों की भोपाल के न्यू मार्केट में बैठक, बिल्डर पर कार्रवाई की मांग

न्यूज क्राइम फाइल

सीहोर जिले के ग्राम चांदी स्थित कॉलोनी में कुछ लोगों ने साल 2012 में प्लॉट खरीदे थे। प्लॉट मालिकों का आरोप है कि डीएचएल इंफ्राबुल्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड ने 32 सुविधाओं का वादा कर प्लॉट बेचे, लेकिन 14 साल बाद भी विकास कार्य नहीं किए गए। इसी मुद्दे पर रविवार भोपाल में प्लॉट मालिकों की बैठक हुई। प्लॉट मालिकों ने आरोप लगाया है कि कंपनी ने कॉलोनी डेवलपमेंट के नाम पर प्लॉट खरीदारों से डेवलपमेंट चार्ज वसूला, लेकिन अभी तक जमीन पर कोई विकास कार्य नहीं हुआ और केवल कागजी प्रक्रिया ही पूरी की गई है।

बिल्डर के खिलाफ शिकायत की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई

बैठक में कॉलोनी के विकास के लिए समिति बनाने और बिल्डर के खिलाफ सामूहिक कार्रवाई करने पर चर्चा हुई। प्लॉट मालिकों ने बताया कि वे पहले भी बिल्डर के खिलाफ आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ, लोकायुक्त, मानवाधिकार आयोग और भोपाल व सीहोर कलेक्टर कार्यालय में शिकायत दर्ज करा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। लंबे समय से कार्रवाई नहीं होने से नाराज प्लॉट मालिकों ने कहा है कि वे 14 साल से इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई परिणाम नहीं निकला। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से जल्द उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

कंपनी ने कहा- आरोप निराधार

वहीं कंपनी ने कई प्लॉट मालिकों को नोटिस भी भेजा है। नोटिस के अनुसार, डीएचएल इंफ्राबुल्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को निराधार और मानहानिकारक बताया है। कंपनी का कहना है कि उसने 15 सालों के अनुभव के साथ विभिन्न शहरों में कई रियल एस्टेट प्रोजेक्ट सफलतापूर्वक विकसित किए हैं। कुछ लोग ग्राहकों को फोन और व्हाट्सएप के जरिए गुमराह कर रहे हैं, झूठी जानकारी फैला रहे हैं और कंपनी की छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं।

जनसंघ के संस्थापक सदस्य, राष्ट्रऋषि, %भारत रत्न% नानाजी देशमुख की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।अंत्योदय और ग्रामोदय को जीवन का संकल्प बनाकर उन्होंने सेवा, त्याग एवं राष्ट्र निर्माण की जो अमिट परंपरा स्थापित की वह सदैव हम सबका मार्गदर्शन करती रहेगी।
योगी आदित्यनाथ- मुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश

जीतू पटवारी बोले- कल विधानसभा में करेंगे महिला आरक्षण की मांग

महिला आरक्षण के समर्थन में कांग्रेस का पैदल मार्च

न्यूज क्राइम फाइल

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में महिला आरक्षण के मुद्दे पर सियासी संग्राम तेज हो गया है। प्रदेश कांग्रेस ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम और महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग को लेकर प्लेटिनम प्लाजा से रोशपुरा तक पैदल मार्च निकाला। 1 हजार से ज्यादा कार्यकर्ता पैदल मार्च में शामिल हुए। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता प्लेटिनम प्लाजा से रोशनपुरा चौराहे तक पैदल मार्च निकाला। मार्च में महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बौरासी सेतिया सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। कांग्रेस का आरोप है कि केंद्र सरकार आरक्षण लागू करने में जानबूझकर देरी कर रही है, जबकि उनकी मांग है कि मौजूदा 543 लोकसभा सीटों पर ही तत्काल 33 फीसदी आरक्षण लागू किया जाए।

एमपी विधानसभा में मिले अभी आरक्षण- पटवारी

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने अपने संबोधन में पीएम मोदी को झूठों का सरदार बताया। पटवारी ने कहा कि शिवराज सिंह चौहान भी झूठों का सरदार और मोहन यादव उनकी नकल करने वाले हैं। जीतू पटवारी ने कहा कि कांग्रेस कल के विधानसभा सत्र में पटल पर यह मांग रखने वाली है कि महिलाओं को विधानसभा में आज की स्थिति में आरक्षण प्रदान किया जाए। हम इसका समर्थन करेंगे।

बीजेपी ने खुद अपनी महिला नेताओं को किनारे किया: सिंघार

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि बीजेपी आज नारी सशक्तिकरण की बात करती है, लेकिन बीजेपी अपनी ही पार्टी की सशक्त महिलाओं को किनारे लगा रही है। वसुंधरा राजे राजस्थान की राजनीति से गायब कर दी गईं। एमपी में उमा भारती, कुसुम महदेले को बीजेपी ने किनारे लगा दिया। हम महिला आरक्षण के पक्ष में हैं लेकिन आज की स्थिति में इसे दिया जाए।

सीएम बोले- कांग्रेस की पांच पीढ़ियों ने महिलाओं के साथ अन्याय किया

इस मार्च के जवाब में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। सीएम ने कहा कि आजादी के बाद से अब तक कांग्रेस ने नारी सशक्तिकरण को लेकर हमेशा नकारात्मक रवैया अपनाया है। उन्होंने इंदिरा गांधी से लेकर राहुल और प्रियंका गांधी तक का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस की पांच पीढ़ियों ने महिलाओं के साथ जो अन्याय किया है, उसे देश कभी नहीं भूलेगा। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 33 प्रतिशत आरक्षण देने के फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों सपा, टीएमसी और डीएमके ने इस अधिनियम को धराशायी करने में भूमिका निभाई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भले ही पूर्व में संख्याबल की वजह से दिक्कतें आई हों, लेकिन भाजपा महिलाओं को उनका हक दिलाकर रहेगी।

अब महिला आरक्षण पर क्या है पूरा विवाद वो समझिए

■नारी शक्ति वंदन अधिनियम पहले संसद में पारित हो चुका था, लेकिन 17 अप्रैल को लोकसभा में संविधान संशोधन विधेयक गिर गया।

■इसी हार के बाद से भाजपा अब कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन को महिला विरोधी करार दे रही है।

■भाजपा का दावा है कि विपक्ष ने जानबूझकर इस महत्वपूर्ण कानून की राह में रोड़े अटकाए हैं।

भोपाल में एयर इंडिया की फ्लाइट रद्द; 175 यात्री परेशान : मुंबई से आई फ्लाइट में मिली तकनीकी खराबी; यात्रियों के हंगामे की भी सूचना

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल एयरपोर्ट पर रविवार को एक अहम उड़ान तकनीकी खराबी के चलते रद्द कर दी गई। मुंबई-भोपाल-मुंबई रूट पर संचालित एयर इंडिया की इस फ्लाइट के रद्द होने से करीब 175 यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, संबंधित फ्लाइट मुंबई से भोपाल पहुंची थी, लेकिन यहां तकनीकी समस्या सामने आने के बाद इसे आगे के लिए रद्द कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि फ्लाइट को टेक्निकल ग्राउंड किया गया, जिसके कारण यात्रियों को आगे की यात्रा नहीं मिल सकी।

देरी से पहुंची थी फ्लाइट

बताया गया कि फ्लाइट भोपाल एयरपोर्ट पर निर्धारित समय से देरी से पहुंची और करीब 3ः30 बजे लैंड हुई। देरी के बाद तकनीकी जांच में खामी सामने आई, जिसके चलते उड़ान को

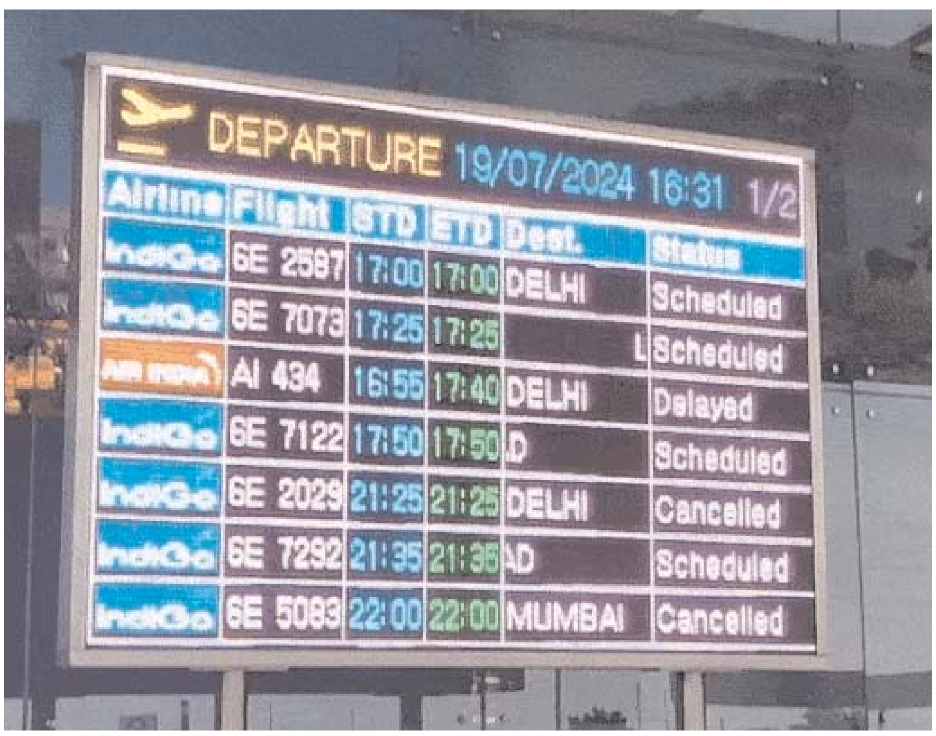

रद्द करने का फैसला लिया गया।

175 यात्रियों पर पड़ा असर

इस फ्लाइट से लगभग 175 यात्रियों को भोपाल से मुंबई के लिए रवाना होना था, लेकिन अचानक रद्द होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि एयरलाइन की ओर से तकनीकी कारणों की विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गई है। हंगामे की भी सूचना घटना के दौरान एयरपोर्ट पर कुछ यात्रियों द्वारा हंगामा किए जाने की भी जानकारी सामने आई है। हालांकि इस संबंध में आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

एयरलाइन करेगी आधिकारिक जानकारी जारी

एयरलाइन अधिकारियों का कहना है कि मामले को लेकर जल्द ही आधिकारिक जानकारी और अपडेट जारी किया जाएगा। फिलहाल तकनीकी कारणों को ही फ्लाइट रद्द होने की वजह बताया जा रहा है।

राष्ट्रनिर्माण कभी भी तात्कालिक सोच से नहीं होता। वो एक बड़े विज़न, धैर्य और समय पर लिए गए निर्णयों से होता है।
हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश अध्यक्ष-भाजपा मप्र, विधायक- बैतूल

आलेख

भारत नरक नहीं, स्वर्ग का अहसास है, मानवता का वैभव, सभ्यता का प्रकाश है

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के लिए अब तक कई बार ऐसे तीखे या अपमानजनक बयान दिए हैं जिनके पश्चात उन्होंने या तो रुख बदल दिया या सॉफ्ट स्टेटमेंट जारी करके अपनी बात पर यू टर्न लेकर साफ साफ मुकर जैसा अंदाज़ दिखाया है। हाल ही में फिर उन्होंने नरक जैसा देश वाला बयान दिया और फिर यू टर्न ले लिया। उनका रवैया दुनिया का थानेदार समझे जाने वाले सर्वाधिक विकसित और धनी देश अमेरिका के शालीन, सभ्य और सुसंस्कृत होने पर सवालिया निशान लगाने को काफी है। खासकर भारत के खिलाफ जिसका अंतर्राष्ट्रीय आचरण सदैव मर्यादित रहता आया है। भारत पैसे वालों की कद्र नहीं करता, क्योंकि यह तो देशी-विदेशी अपराधियों और वेश्याओं के पास भी खूब होता है, लेकिन सामाजिक प्रतिष्ठा बिल्कुल नहीं होती। ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका इसी फूहड़ता से ग्रसित है, अभिशप्त है और अंतर्राष्ट्रीय गुंडई में इतना आगे निकल चुका है कि उसके मित्र देश भी उसके साथ खड़े होने में परहेज कर रहे हैं और उसे यूज एंड थ्रो कर रहे हैं। ईरान-अमेरिका युद्ध ने अमेरिका की पूरी मिट्टी पलीद कर दी है और उसके डीप स्टेट की जो भद्द पिटी है, वैसा कोई उदाहरण अन्यत्र नहीं मिलता। शायद इसी खीझ का नाता ट्रंप के नारकीय विवाद से है।

आइए, जानते हैं कि सबसे हाल का विवाद 24 घंटे में ही कैसे दोनों ध्रुवों पर घूम गया, जब भारतीय विदेश मंत्रालय ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक रेडियो होस्ट माइकल सैवेज के पॉडकास्ट का हिस्सा शेयर किया, जिसमें भारत और चीन जैसे देशों को नरक जैसी जगह बताया गया। इस पोस्ट में भारतीयों के बारे में नस्लवादी टिप्पणी भी थी कि भारत-चीन से लोग अमेरिका आते हैं बस यहीं बच्चे पैदा करने के लिए ताकि उन्हें तुरंत अमेरिकी नागरिकता मिल जाए, जो

भारतीय डिप्लोमैसी और जनता के लिए बेहद अपमानजनक माना गया। फिर अगले ही नए बयान में ट्रंप ने रुख पूरी तरह बदल दिया, क्योंकि समझ में आ गया कि ये मोदी का भारत है, चुपचाप उल्टा लटका देगा। कोई काम नहीं आएगा, जब कूटनीतिक शतरंज की एक चाल चल देगा तो। लिहाजा, उन्होंने जनता के बीच और अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता के ज़रिए कहा कि भारत एक महान देश है और भारत के शीर्ष नेता (प्रधानमंत्री मोदी) के साथ उनकी निजी दोस्ती है। काबिलेगौर है कि इस तरह 24 घंटे के अंदर वही शख्स जो भारत को या नरक जैसी जगह कह चुके थे, उसी देश की तारीफ़ में बोलने लगे, जिसे राजनीतिक यू टर्न और दबाव में बदला गया माना जा रहा है। अब इनकी टैरिफ और टैरिफ किंग वाली पुरानी टिप्पणी को स्मरण करा देते हैं। इसके अलावा ट्रंप ने व्यापार के मसले पर भी दोहरा अपना बयान दिया है। अपने कई इंटरव्यू और भाषणों में उन्होंने भारत को टैरिफ किंग कहा है, और यह कहा है कि भारत दुनिया में सबसे ज्यादा शुल्क लगाने वाले देशों में से एक है, जिससे अमेरिकी उत्पादों को नुकसान होता है। इसी क्रम में उन्होंने भारत पर जवाबी टैरिफ लगाने की धमकी भी दी, लेकिन एक ही हवन में ही यह भी कहा कि भारत के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं, यानी एक ही बयान में औपचारिक तारीफ़ और व्यावहारिक धमकी दोनों। निष्कर्षन के तौर पर पैटर्न यह दिखता है कि ट्रंप ने भारत के लिए एक बार नफरत भरी, नस्लवादी, नरक जैसा देश वाली भाषा इस्तेमाल की, और फिर तुरंत मिटाने के लिए भारत को महान देश और प्रधानमंत्री मोदी को अपना दोस्त कहकर मुकर जैसा कर दिया। वहीं, व्यापार के मोर्चे पर भारत को टैरिफ किंग और हानिकारक बताने के साथ साथ राजनयिक रूप से अच्छे रिश्ते बताकर दोहरा रुख अपनाया है। इसी प्रकार ट्रंप भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड इकॉनमी भी करार दे चुके हैं टैरिफ वार की खींझ में। उनके इस रवैये से भारत का अविश्वास अमेरिका और उनके प्रति बढ़ा है। स्पष्ट है कि अमेरिका के सफल बिजनेसमैन और शातिर राजनेता से राष्ट्रपति बने डॉनल्ड ट्रंप अपने सिरफिरे विचारों के लिए जाने जाते हैं, लेकिन जब से वो डीप स्टेट के हाथों का खिलौना बने, अपने अनाप-शनाप और अदूरदर्शिता भरे फैसलों से अंतरराष्ट्रीय जगत में अमेरिका की थू-थू करवा रखी है। पहले ट्रेड वार और अब सैन्य वार के बाद उसकी जो अंतरराष्ट्रीय फजीहत हुई है, उसके जैसे सो कॉल्ड देश ताकतवर की कलई खुल गई। यूक्रेन से शुरू हुई कूटनीतिक दोगलागिरी ईरान पहुंचते-पहुंचते न केवल चारो खाने चित्त हो गई, बल्कि आज अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंफ की बयानबाजी अब समझदार लोगों के लिए कोई मायने नहीं रखी। कभी वह भारत को डेड इकोनॉमी बताते हैं, तो कभी नरक जैसा देश! शायद इसलिए कि भारतीय नेतृत्व उनके इशारों पर नहीं थिरक रहा है, जिससे रूस-चीन भी उसे भाव देना बंद कर चुके हैं। दुनिया का थानेदार अमेरिका को बेनेजुएला के राष्ट्रपति को गिरफ्तार करने के बाद जब कड़ी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया नहीं मिली तो उसने यह समझ लिया कि रूस-चीन भी उससे डरे हुए हैं। इसी उत्साह में अमेरिका ने इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर धावा बोल दिया और महज दो माह के भीतर ही परेशान हो उठा। इससे ईरान-रूस-चीन की संयुक्त ताकत का उसको एहसास हुआ। वहीं इसी मुद्दे पर नाटो में फूट भी पड़ गई और यूरोप तटस्थ बन गया। इसी बौखलाहट में ट्रंफ भारत और चीन को नरक जैसा बताने लगे।

संपादकीय

ब्रिगेड मैदान की जंग में ममता बनाम अमित शाह की जंग

प्रधानमंत्री रहते अटल बिहारी वाजपेयी ने कोलकाता की यात्रा की थी। उस दौरे पर उन्होंने तत्कालीन रेल मंत्री के कालीघाट स्थित घर का दौरा किया था। तब उन्होंने मंत्री की मां से उलाहना दिया था, आपकी बेटी मुझे बहुत परेशान करती हैं। कहना न होगा कि वह शख्सियत डेढ़ दशक से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री है। ममता बनर्जी लड़ाका है। धूल से उठकर राजनीतिक आसमान का तारा अगर वे बनी हुई हैं, उसकी वजह उनका सघर्षशील व्यक्तित्व ही है। लेकिन कोलकाता के मैदान में इस बार यह योद्धा फंसा नजर आ रहा है। भारतीय जनता पार्टी जिस तरह उनसे दो-दो हाथ कर रही है, निश्चित तौर पर उसके पीछे नरेंद्र मोदी की अगुआई में बंगाल की धूल में लगातार परिश्रम कर रहे बीजेपी के कार्यकर्ता हैं। आज अगर बंगाली की सियासी लड़ाई आर-पार के दौर में आ चुकी है तो इसके पीछे अमित शाह की रणनीति काम कर रही है। साल 2021 के विधानसभा चुनाव नतीजे आने के बाद कहा गया था कि बीजेपी चुनाव जीतते-जीतते हार गई है। ममता का संघर्ष बीजेपी की रणनीतियों पर भारी पड़ गया था। पांच साल बाद कोलकाता के रायटर्स बिल्डिंग पर कब्जे को लेकर सेनाएं सज गई हैं। लेकिन इस बार हालात बदले नजर आ रहे हैं। इसकी वजह अमित शाह का चुनाव प्रचार की कमान खुद संभालना है, जिन्होंने 170 सीटें जीतने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय कर रखा है। पिछले विधानसभा चुनाव में पिछड़ने के बावजूद अमित शाह ने राज्य की यात्राएं जारी रखीं और इसके जरिए अपने कार्यकर्ताओं को उत्साहित बनाए रखा। इस बार बीजेपी अगर सत्ता की प्रबल दावेदार के रूप में उभरी है तो इसकी बड़ी वजह बूथ प्रबंधन तो है ही, घुसपैठ और महिला सुरक्षा को मुद्दा बनाना भी है। बंगाल के बारे में कहा जाता है कि वह जो आज सोचता है, पूरा देश उस पर बाद में आगे बढ़ता है। शक्ति पूजा की संस्कृति वाले राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर ममता के राज में कई बार सवाल उठे। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज में रेजिडेंट डाक्टर से दुष्कर्म और बर्बर हत्या के बाद अंग्रेजों की पहली राजधानी का भद्रलोक उद्वेलित हो उठा। अभी इसकी आंच ठंडी पड़ी नहीं कि कस्बा लॉ कालेज की छात्रा के साथ बलात्कार हुई। इसके पहले संदेशखाली में हुई कथित तौर पर यौन हिंसा और ज़मीन हड़पने के मामलों से पश्चिम बंगाल का समाज उद्वेलित रहा। अमित शाह के बार-बार के बंगाल दौरे के चलते बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने महिला सुरक्षा के मसले को कभी धीमा नहीं पड़ने दिया। इन्हीं वजहों से महिला सुरक्षा को लेकर तृणमूल कांग्रेस सवालों के घेरे में आ गई। राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की 2023 की रिपोर्ट भी राज्य में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा की ही तसदीक करती है, जिसके अनुसार, राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 34,691 मामले दर्ज किए गए और एसिड हमलों में इसका हिस्सा सबसे ज्यादा करीब 27.5 प्रतिशत रहा। बीजेपी को महिला सुरक्षा को बड़ा मुद्दा बनाने में ममता बनर्जी के एक बयान से भी मिला, जिसमें उन्होंने कहा था कि महिलाओं को शाम सात बजे के बाद बाहर नहीं निकलना चाहिए।

एक बीघा में 50 क्विंटल गेहूं उगाने और गुड़ की खेती करने के बाद मुख्यमंत्री @DrMohanYadavzv जी दूध का रकबा बढ़ाने की बात कर रहे हैं।खेती-किसानी, खून पसीने की मेहनत का फल है, जिसके बारे में मुख्यमंत्री जी कुछ नहीं जानते।
जीतू पटवारी अध्यक्ष, मप्र कांग्रेस

वीडियो के बदले मांगे थे 5 लाख रुपए

हनी ट्रैप निकला नेता का अश्लील वीडियो: रीवा में दंपती पर एफआईआर दोनों फरार

न्यूज क्राइम फाइल

मऊगंज जिले में पूर्व जनपद उपाध्यक्ष का वायरल अश्लील वीडियो असल में हनी ट्रैप निकला है। मामले में पुलिस ने शुक्रवार शाम आरोपी महिला और उसके पति पर एफआईआर दर्ज कर ली है। आरोपियों ने नेता को नशीला पदार्थ देकर आपत्तिजनक वीडियो बनाया और ब्लैकमेल करते हुए 5 लाख रुपए की फिरौती मांगी थी। दोनों आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। इस पूरे मामले का खुलासा दैनिक भास्कर ने पहले ही कर दिया था। 17 अप्रैल को युवती ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर वीडियो का एक स्क्रीनशॉट शेयर किया था। इसके बाद भास्कर ने एक्सक्लूसिव वीडियो सामने लाकर हनी ट्रैप की पूरी साजिश को उजागर किया। इसके बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आया और एसडीओपी सचि पाठक ने संज्ञान लेते हुए केस दर्ज करवाया।

कैफे में हुई थी पहचान, स्पाई कैमरे से की रिकॉर्डिंग

आरोपी महिला पुलिस कंट्रोल रूम के सामने एक कैफे संचालित करती थी, जिसकी ओपनिंग 25 दिसंबर को हुई थी। यहीं नेता का आना-जाना शुरू हुआ और दोनों की पहचान हुई। इसके बाद योजनाबद्ध तरीके से नेता को फंसाया गया और स्पाई कैमरे से शारीरिक संबंध बनाते हुए वीडियो शूट कर लिया गया। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि कैमरा किसने और कैसे लगाया था तथा इस साजिश में और कौन लोग शामिल हैं।

लग्जरी लाइफ की चाहत, रईसों की बना रखी थी टारगेट लिस्ट

मध्यम वर्गीय परिवार से आने वाली महिला हाई प्रोफाइल और लग्जरी लाइफ जीना चाहती थी। इसी चाहत में पति-पत्नी ने मिलकर यह ब्लैकमेलिंग रैकेट शुरू किया। जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने इलाके के बड़े ठेकेदारों, नेताओं, व्यापारियों और सरकारी अफसरों की बाकायदा एक टारगेट लिस्ट तैयार कर रखी थी। बता दें कि नेता धनाढ्य और प्रभावशाली लोगों में गिने जाते हैं, इसलिए बड़ी रकम वसूलने के लिए सबसे पहले उन्हें आसान शिकार बनाया गया।

महिला का विवादों से पुराना नाता, सियासत भी गरमाई

आरोपी महिला पूर्व में भी विवादों में रह चुकी है। जानकारी के अनुसार, वह मारपीट और छीना-झपटी की झूठी शिकायत दर्ज कराने को लेकर थाने के सामने हंगामा कर चुकी है। दूसरी ओर, हनी ट्रैप का मामला सामने आते ही इलाके में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप भी शुरू हो गए हैं। भाजपा विधायक प्रदीप पटेल ने अपने ही नेता को कांग्रेस से जुड़ा बताया है, वहीं कांग्रेस प्रवक्ता विनोद शर्मा ने उन्हें भाजपा नेताओं का करीबी करार दिया है।

भिंड में बस-बाइक की टक्कर, तीन युवकों की मौत

न्यूज क्राइम फाइल

मध्य प्रदेश के भिंड जिले में शनिवार को नेशनल हाईवे 552 पर तेज रफ्तार बस ने बाइक सवार 4 युवकों को कुचल दिया। एक युवक को बाइक समेत करीब 5 किलोमीटर तक घसीटते ले गई। सड़क पर चिंगारियां उठती रहीं। कुचलने से 3 युवकों की मौत हो गई, जबकि एक हालत नाजुक है। वीडियो में दिख रहा है कि- बस को रोकने के लिए एक कार सवार ने पीछा किया। कई बार हॉर्न बजाने के बावजूद बस चालक ने वाहन नहीं रोका और भागने लगा। कुछ दूर जाकर वह रुक गया।ड्राइवर ने पुरा से उमरी कस्बे तक घसीटता रहा। जैसे ही बस रुकी, उसमें सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। लोग डर के मारे बस से कूदकर भागने लगे। अफरा-तफरी का फायदा उठाकर बस ड्राइवर मौके से फरार हो गया। मृतक और घायल खून से लथपथ सड़क पर पड़े रहे। उमरी पुलिस के मुताबिक, मृतकों में मुरैना निवासी आशुतोष बघेल (21), भिंड को खैरोली निवासी रामकेश बघेल (19) और मुरैना निवासी मोहित बघेल (20) की मौत हो गई। वहीं भिंड के मेहदा निवासी अमित बघेल (17) की हालत गंभीर है। सभी शादी में शामिल होने मेहदा जा रहे थे। घायल युवक को भिंड जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वेंटिलेटर उपलब्ध नहीं था। नाजुक हालत में ग्वालियर रेफर किया गया, लेकिन एंबुलेंस न होने के कारण वह करीब एक घंटे तक अस्पताल में दर्द से तड़पता रहा।

पत्रकार बनने का सुनहरा अवसर

अगर आपके अंदर लिखने का कौशल है और पत्रकारिता में रुचि है, तो 'न्यूज क्राइम फाइल' को आपकी तलाश है। 'न्यूज क्राइम फाइल' से जुड़ कर आप हर माह दस हजार रुपये तक कमा सकते हैं। 'न्यूज क्राइम फाइल' भोपाल, ग्वालियर, सतना, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर और नीमच में ब्यूरो ऑफिस खोलने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवार तत्काल हमें अपना बॉयोडाटा मेल करें या व्हाट्सअप करें।

उदय प्रताप सिंह चौहान (संपादक) 07223003441
वजाहत खान (प्रबंधक सपांदक) 07999252366
email: newscrimefile@yahoo.com

विकसित और आत्मनिर्भर भारत का स्वप्न जनजातीय भाई-बहनों की भागीदारी से ही पूर्ण होगा...प्रदेश में भगोरिया को राजकीय पर्व के रूप में मनाया जा रहा है, जो जनजातीय संस्कृति के संरक्षण के प्रति सरकार के भाव को प्रकट करता है।
मोहन यादव, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री

प्रेग्नेंट होने पर जान से मारने की धमकी...

पहली बार 'लव-जिहाद' के आरोपियों के खिलाफ उतरा मुस्लिम संगठन

न्यूज क्राइम फाइल

राजधानी भोपाल में इंजीनियरिंग छात्रा के साथ कथित धोखाधड़ी, शारीरिक शोषण और धर्म परिवर्तन के दबाव के मामले ने अब नया मोड़ ले लिया है। पहली बार किसी मुस्लिम संगठन ने खुलेतौर पर आरोपियों के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए पीड़िता के समर्थन में उतरने का ऐलान किया है। ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी ने इसे गंभीर और शर्मनाक बताते हुए आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है।

नाम बदलकर की दोस्ती, शादी का झांसा देकर बनाए संबंध

महिला थाना में दर्ज एफआईआर के मुताबिक आईईएस यूनिवर्सिटी की छात्रा ने आरोप लगाया है कि उसकी मुलाकात 2023 में एक युवक से हुई, जिसने खुद का नाम आशीष पांडे बताया। दोस्ती के बाद आरोपी ने शादी का झांसा दिया और छात्रा के साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए। छात्रा का आरोप है कि बाद में उसे पता चला कि युवक का असली नाम आसिफ रजा है। जब उसने शादी की बात की, तो आरोपी ने इनकार कर दिया और कथित तौर पर उसे रखैल बनकर रहने तक की बात कही।

प्रेग्नेंट होने पर बदला रवैया, धमकियों का आरोप

पीड़िता के अनुसार जनवरी 2026 में जब उसने खुद के गर्भवती होने की जानकारी दी, तो आरोपी अपने दो साथियों के साथ उसके घर पहुंचा। यहां शादी से साफ इनकार करते हुए उसे जान से मारने, एसिड अटैक और अन्य गंभीर धमकियां दीं। एफआईआर में यह भी उल्लेख है कि आरोपियों ने धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाया, जिसे छात्रा ने ठुकरा दिया। इसके बाद उसे लगातार धमकियां मिलती रहीं।

पैसे लेने और ब्लैकमेल करने के भी आरोप

छात्रा ने यह भी आरोप लगाया है कि आरोपी ने रिश्ते के दौरान उससे ऑनलाइन और नकद पैसे भी लिए। साथ ही, शादी का झांसा देकर लगातार मानसिक दबाव और ब्लैकमेलिंग की। बता दें कि वह सीएम डिप्लोमा की छात्रा है। 5 मार्च 2026 को दर्ज एफआईआर के बावजूद अब तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने पर सवाल उठ रहे हैं। पीड़िता का कहना है कि उसे अब भी धमकियां मिल रही हैं और वह घर से बाहर निकलने में डर रही है। उसने आरोप लगाया कि शुरुआत में पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने में भी आनाकानी की और समझौते की सलाह दी। पीड़िता कहना है कि एक युवक को गिरफ्तार किया था मगर उसे भी छोड़ दिया।

मुस्लिम संगठन ने कहा 'हम शर्मिंदा हैं, बेटी के साथ खड़े हैं'

ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के संरक्षक शमशुल हसन ने कहा कि यह बेहद गंभीर मामला है और एक छात्रा के साथ इस तरह की घटना पूरे प्रदेश के लिए शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि आरोपी ने नाम बदलकर दोस्ती की और जो कुछ किया, वह निंदनीय है। संगठन ने स्पष्ट किया कि इसे वे 'लव जिहाद' नहीं मानते, बल्कि कुछ लोगों की हरकत बताते हुए कहा कि पूरे समाज को इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। संगठन ने पीड़िता की कानूनी लड़ाई और पढ़ाई का पूरा खर्च उठाने का भी ऐलान किया है।

एक हफ्ते का अल्टीमेटम, नहीं तो सीएम हाउस घेराव

मुस्लिम संगठन ने राज्य सरकार को चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई, तो मुख्यमंत्री निवास का घेराव किया जाएगा।

कार्यक्रम

राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोने वाले यशस्वी माननीय प्रधानमंत्री जी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' के 133वें संस्करण का आज भोपाल के तात्या टोपे मंडल, वार्ड क्रमांक 31 स्थित बागम्बरी देवी मंदिर प्रांगण में कार्यकर्ताओं के साथ श्रवण किया।

ऐसे कई उदाहरण है, जिनसे पता चलता है कि गरीब और छोटे किसानों के कल्याण के लिए हमने हमेशा नेक नीयत से काम किया है। वहीं, कांग्रेस और उसके साथियों की नीयत में ही खोट है, इसलिए उन्होंने इनका कभी भला नहीं किया।
प्रधानमंत्री- नरेंद्र मोदी

कलाई में चोट; रोम मास्टर्स से भी बाहर

डिफेंडिंग चैंपियन अल्काराज फ्रेंच ओपन से हटे...

न्यूज क्राइम फाइल

टेनिस स्टार और वर्ल्ड नंबर-2 कार्लोस अल्काराज इस साल फ्रेंच ओपन में नजर नहीं आएंगे। दो बार के मौजूदा चैंपियन अल्काराज ने कलाई की चोट से उबरने के लिए हटने का फैसला किया है। वे रोम मास्टर्स में भी हिस्सा नहीं लेंगे। फ्रेंच ओपन 18 मई से होना है। 22 साल के स्पेनिश खिलाड़ी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जानकारी दी। अल्काराज ने बताया कि टीम ने तय किया कि पूरी तरह फिट हुए बिना वापसी जोखिम भरी हो सकती है, इसलिए रिकवरी पर ध्यान जरूरी है।

बार्सिलोना ओपन के दौरान लगी थी चोट

अल्काराज को इसी महीने बार्सिलोना ओपन के पहले दौर में कलाई में चोट लगी थी। ओटो विर्टनन के खिलाफ मैच जीतने के बाद दर्द बढ़ने पर उन्होंने टूर्नामेंट छोड़ दिया था। 17 अप्रैल को उन्होंने मैड्रिड मास्टर्स से भी नाम वापस ले लिया था, तभी से फ्रेंच ओपन खेलने पर सस्पेंस था। शुक्रवार के मेडिकल टेस्ट के बाद उन्होंने पेरिस न जाने की पुष्टि कर दी।

कोच और टीम की सलाह- वापसी में जल्दबाजी न करें

अल्काराज ने पोस्ट में लिखा, हमने तय किया है कि सबसे समझदारी वाला काम सावधानी बरतना है। रोम या रोलां गैरो में हिस्सा न लेना एक कठिन फैसला है, लेकिन मुझे यकीन है कि मैं इस चोट से उबरकर और मजबूती से वापसी करूंगा। अल्काराज अब मेडिकल टीम की देखरेख में रिहैब करेंगे और रिकवरी की प्रोग्रेस देखने के बाद ही तय करेंगे कि वे किस टूर्नामेंट से वापसी करेंगे।

शानदार रहा है सीजन, पिछले साल बचाई थी बादशाहत

अल्काराज के लिए यह साल शानदार रहा है। उन्होंने जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर सबसे कम उम्र में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले पुरुष खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया था। इस सीजन में उनका रिकॉर्ड 22-3 रहा है और उन्होंने दोहा में एक खिताब जीता है। पिछले साल फ्रेंच ओपन फाइनल में उन्होंने जनिक सिनर के खिलाफ तीन चैंपियनशिप पॉइंट बचाकर खिताब जीता था।

रैंकिंग पर पड़ेगा असर, सिनर को फायदा

अल्काराज ने 12 अप्रैल को मोंटे कार्लो मास्टर्स फाइनल में जैनिक सिनर से हारकर वर्ल्ड नंबर-1 रैंकिंग गंवा दी थी। अब फ्रेंच ओपन से हटने के कारण उन्हें रैंकिंग पॉइंट्स का बड़ा नुकसान होगा, क्योंकि वे मौजूदा चैंपियन के तौर पर अपने पॉइंट्स डिफेंड करने वाले थे। उनकी गैर-मौजूदगी में सिनर और नोवाक जोकोविच के बीच खिताबी जंग और रोचक होगी।

मिथॉस एआई से बैंकिंग सिस्टम पर साइबर हमले का खतरा

वित्त मंत्री सीतारमण ने हाई-लेवल मीटिंग की; क्या है मिथॉस और यह क्यों खतरनाक

न्यूज क्राइम फाइल

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को बैंकों के प्रमुखों के साथ एक हाई-लेवल मीटिंग की। इस बैठक में एंथ्रोपिक के %क्लॉड मिथॉस एआई मॉडल से बैंकिंग सेक्टर को होने वाले संभावित खतरों पर चर्चा की गई। यह एआई मॉडल इतना एडवांस है कि हैकर इसका इस्तेमाल दशकों पुरानी अज्ञात खामियों को खोजकर फाइनेंशियल सेक्टर पर साइबर हमले कर सकते हैं।

बैंकों को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश

वित्त मंत्री ने बैंकों को अपने एआई सिस्टम को सुरक्षित करने और कस्टमर डेटा की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। वित्त मंत्रालय ने कहा कि मिथॉस से पैदा होने वाला खतरा ऐसा है, जो पहले कभी नहीं देखा

गया। इसके लिए वित्तीय संस्थानों और बैंकों के बीच बेहतर तालमेल और हाई लेवल की तैयारी की जरूरत है।

खतरे से निपटने के लिए भारत का प्लान

वित्त मंत्रालय अब एक ऐसा फ्रेमवर्क बनाने की योजना बना रहा है जो हैकिंग के प्रयासों की पहचान कर उन पर तुरंत कार्रवाई कर सके। बैंकों को सलाह दी गई है कि वे साइबर हमले की जानकारी आपस में साझा करने के लिए एक रियल-टाइम इंटेलिजेंस शेयरिंग मैकेनिज्म बनाएं। इसमें इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम और अन्य एजेंसियां भी शामिल होंगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शेड्यूल्ड कॉमर्शियल बैंकों और स्टेकहोल्डर्स के साथ हाई-लेवल मीटिंग की। इस मीटिंग का मकसद,ड्ढ मॉडल्स में हो रहे हालिया बदलावों से जुड़े खतरों के संभावित प्रभाव का आकलन करना था। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शेड्यूल्ड कॉमर्शियल बैंकों और स्टेकहोल्डर्स के साथ हाई-लेवल मीटिंग की। इस मीटिंग का मकसद,ड्ढ मॉडल्स में हो रहे हालिया बदलावों से जुड़े खतरों के संभावित प्रभाव का आकलन करना था।

संघ से लेकर जनसंघ व भाजपा तक, राष्ट्रसेवा व समाज-कल्याण के लिए समर्पित %भारत रत्न% नानाजी देशमुख जी ने ग्रामोदय को अपने जीवन का लक्ष्य बनाया और भारतीय मूल्यों पर आधारित शिक्षा के आजीवन पथप्रदर्शक रहे।
केंद्रीय गृहमंत्री-अमित शाह

दुल्हन बोली- फेरों से पहले थाने ले गए, बदसलूकी की

पुलिसवालों ने कहा- तू कैसी है, हम जानते हैं; दूल्हे ने बताया- बारातियों को भी पीटा

न्यूज क्राइम फाइल

कटनी में बारातियों और लड़की वालों की पिटाई करने वाले दो सब इंस्पेक्टर को लाइन अटैच किया गया है। लेकिन पुलिस की धमकी से दोनों परिवार डरे हुए हैं। शादी वाले घरों में खुशी का माहौल नहीं है। दूल्हा-दुल्हन समेत परिवार सदमे में है। 20 अप्रैल की रात बारात मैहर जिले के अमदरा से आई थी, जो कटनी से 50 किमी दूर है। दुल्हन का घर कटनी के इंदिरा नगर में है। घर में मेहमान हैं, लेकिन शादी जैसी खुशी नहीं है। दो दिन पहले दूल्हा बने राजाराम डरे हुए दिखे। उनकी पत्नी ऋचा चौधरी के चेहरे पर भी डर और गुस्सा है। दैनिक भास्कर ने दूल्हे राजाराम वर्मा और पत्नी ऋचा से बात की।

दुल्हन बोली- पुलिस ने हमारी सारी खुशियां छीन लीं

ऋचा कहती हैं- अपनी शादी की खुशी किसे नहीं होती, लेकिन पुलिस ने हमारी खुशियां छीन लीं। लोग शादी को जिंदगीभर याद रखते हैं, पर मैं पुलिस की मारपीट याद करूंगी। उन्होंने मेरे पति को पीटा, मुझे धक्का दिया और गालियां दीं। परिवार को भी चोट आई।

मैंने हाथ जोड़कर रोका, लेकिन मुझे भी धक्का दिया

ऋचा कहती हैं- 20 अप्रैल को शादी थी। रात में बारात आने वाली थी। मैं घर के अंदर सहेलियों के साथ सजी बैठी थी। बैंड-बाजे की आवाज आई तो सबने कहा बारात आ गई है। घर के लोग बारातियों की ओर गए। बताया गया कि बारातियों और पुलिस में बहस हुई है।

कुछ देर बाद बाराती खाना खा रहे थे। करीब एक-डेढ़ घंटे बाद पुलिस ने बच्चों, बड़ों और महिलाओं को लाठी से पीटना शुरू कर दिया। पुलिस ने टेबल पर रखा खाना फेंक दिया। पिटाई में आकाश गिर गए और उन्हें घसीटकर ले जाने लगे। मैं बाहर आई और हाथ जोड़कर रोका, लेकिन मुझे धक्का दिया। फिर हमें गाड़ी में जबरन बैठा लिया।

मैंने कहा- हमें जाने दें, लेकिन वे धमकी देते रहे

ऋचा कहती हैं- हमें पीछे के रास्ते से थाने ले जाया गया। अंधेरे कमरे में मुझे और भाई को खड़ा किया। कई पुलिसवाले गालियां दे रहे थे। मैंने कहा, आज मेरी शादी है, जाने दें, लेकिन उन्होंने गालियां दीं और अपमान किया। वे नशे में थे। मैंने कहा कि पिता कर्ज लेकर शादी कर रहे हैं, हमें जाने दें, लेकिन वे धमकी देते रहे।

छोड़ तो दिया पर आगे क्या होगा, यह डर बना है

ऋचा कहती हैं- थोड़ी देर में बड़े अधिकारी आए। उन्होंने पूछा और मेरी बात सुनकर हमें छोड़ने को कहा। एक एसआई भाई को रोकना चाहता था, लेकिन मैंने मना किया, फिर तीनों को छोड़ने का आदेश हुआ। तड़के करीब पौने चार बजे हमें चौराहे पर छोड़ दिया गया। हम किसी तरह घर पहुंचे। अब आगे क्या होगा, यह डर बना है।

छोड़ते समय धमकी दी- शादी हो जाने दो, फिर देखेंगे

राजाराम की शादी दो दिन पहले हुई थी, लेकिन उनके चेहरे पर खुशी नहीं है। वे कहते हैं- बारात चौराहे से लगनी थी। तैयारी के बीच पुलिस आई और चली गई। बाद में बाराती खाना खा रहे थे, तभी पुलिस लाठी लेकर आई और लोगों को पीटना शुरू कर दिया। राजाराम कहते हैं- रात करीब दो बजे हमें गाड़ी में बैठाकर पीछे के रास्ते से थाने ले गए। वहां बदतमीजी की और मुझे पीटा। दुल्हन के साथ भी अभद्र व्यवहार हुआ और कोई महिला पुलिस नहीं थी। उन्होंने गालियां दीं और मोबाइल छीनकर रीसेट कर दिया। छोड़ते समय धमकी दी- शादी हो जाने दो, फिर देखेंगे।

घर सजा है, लेकिन परिवार के चेहरों पर खुशी नहीं

नीली दीवारों वाले घर की चौखट पर 'शुभ विवाह' लिखा है और तोरण लगा है। दीवार पर ऋचा-राजाराम का नाम है। घर सजा है, लेकिन परिवार के चेहरों पर खुशी नहीं है। ऋचा के पिता परसद्दी लाल चौधरी मजदूरी करते हैं। उनकी तीन बेटियां और एक बेटा है। उन्होंने बेटी की शादी के लिए तीन लाख रुपए कर्ज लिया था। वे कहते हैं- शादी धूमधाम से करने की तैयारी की थी, लेकिन पुलिस ने सब बिगाड़ दिया।

हम अनुसूचित जाति के हैं, हमारे साथ ज्यादती हुई

परसद्दी लाल कहते हैं- प्रीतिभोज के दौरान पुलिस आई और लाठीचार्ज किया। बेटे, समधी और दामाद को पीटा, समधी का कंधा टूट गया। पत्नी को भी मारा। दूल्हा-दुल्हन को जबरन थाने ले गए। उन्होंने कहा- सरकार ने कानून बनाए हैं, लेकिन पुलिस ही तोड़ रही है। हमने एसपी और अजाक थाने में शिकायत दी है और आरोपियों पर में की मांग की है।

दुल्हन की मां के हाथ पर लाठी मारी गई

भाग्यवती चौधरी कहती हैं- मैं मेहमानों को बचाने हाथ जोड़ रही थी, लेकिन पुलिस ने मुझे पीटा। बुलाए गए मेहमान घायल होकर भूखे लौट गए। पुलिस के कारण शादी की रस्में पूरी नहीं हो सकीं। तड़के 4 बजे छोड़ने के बाद जल्दी में बाकी रस्में कर विदाई हुई।

खंभे पर चढ़े लाइनमैन की गिरने से मौत: परिजनों का आरोप-किसी ने लाइट चालू कर दी, चक्काजाम किया; बोले-दोषियों पर दर्ज करो एफआईआर

न्यूज क्राइम फाइल

जबलपुर के खजरी खिरिया क्षेत्र में बिजली लाइन सुधारने के दौरान 51 वर्षीय ठेका कर्मचारी की खंभे से गिरने से मौत हो गई। हादसा शुक्रवार को उस वक्त हुआ जब रंजीत कोरी खंभे पर चढ़कर लाइन ठीक कर रहे थे। इसी दौरान अचानक लाइन चालू हो गई, जिससे उन्हें जोरदार करंट लगा और वे करीब 30 फीट ऊंचे खंभे से नीचे गिर पड़े। घटना के बाद साथियों ने तत्काल 108 एंबुलेंस की मदद से उन्हें मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शनिवार सुबह आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने अमखेरा-खजरी खिरिया रोड पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। उनका कहना है कि जब तक दोषियों पर कार्रवाई, उचित मुआवजा और मृतक के बेटे को नौकरी नहीं दी जाती, तब तक प्रदर्शन जारी रहेगा। जानकारी मिलते ही गोहलपुर थाना पुलिस और बिजली विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और परिजनों को कार्रवाई का

आश्वासन दिया। इसके बाद वे माने और शव को दाह संस्कार के लिए ले गए। परिजनों का आरोप है कि मध्य प्रदेश विद्युत विभाग की लापरवाही के चलते यह घटना हुई है। जब लाइन बंद थी और कर्मचारी खंभे पर चढ़कर काम कर रहा था तब बिना सूचना के लाइन कैसे चालू की गई और किसने की। उनका यह भी कहना है कि जिस भी व्यक्ति ने लापरवाही की है उसके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया जाए। इसके साथ ही बिजली विभाग मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा देते हुए बेटे को नौकरी दे।

दूसरे कर्मचारी खंभे पर चढ़ने तैयार नहीं हुए

बताया जा रहा है कि रंजीत कोरी लाइन का फॉल्ट सुधारने अपने साथियों के साथ गए थे। उन्होंने अपने से कम उम्र के लड़कों से कहा था कि अगर आप खंभे पर चढ़ सकते हैं तो चढ़ जाइए, लेकिन कोई भी तैयार नहीं हुआ। तब रंजीत बिना ग्लबस और सेफ्टी उपकरण के खंभे पर चढ़े और लाइन को ठीक कर रहे थे, इस दौरान अचानक से ही तारों में करंट दौड़ने लगा इसी दौरान वह नीचे गिर गए। चक्काजाम कर रहे लोगों का कहना है कि इससे पहले भी कई मर्तबा बिजली विभाग की लापरवाही से कई घरों के चिराग बुझ चुके हैं।

अमर क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि एवं कोटि-कोटि नमन। मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए उनका अद्वितीय साहस, अटूट संकल्प और सर्वोच्च बलिदान भारतीय स्वाधीनता संग्राम के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है।
रक्षा मंत्री-राजनाथ सिंह

बहन ने घर बुलाया,भाई ने कुल्हाड़ी से काटा...

ऐसा वार किया कि खाने का निवाला गले में फंसा रह गया था; अफेयर के शक में मर्डर

न्यूज क्राइम फाइल

यह सिर्फ एक फोन कॉल नहीं था। इसके पीछे एक डरावना सच था। सागर के भेड़ा गांव में 10 अप्रैल को महेंद्र अहिरवार की कुल्हाड़ी से गला काटकर हत्या कर दी गई थी। उसे बेरहमी से मारा गया था। पुलिस की पड़ताल में उसके एक हाथ में रोटी का टुकड़ा और दूसरे में ककड़ी फंसी मिली। पोस्टमार्टम में पता चला कि गर्दन पर जोरदार वार हुआ था, जिससे निवाला हलक में ही फंसा रह गया था। हत्याकांड की प्लानिंग जीजा ने अपनी मुंहबोली साली के साथ मिलकर की, क्योंकि उसे शक था कि पत्नी का महेंद्र से अफेयर था।

सड़क किनारे बोरे में लाश देख सहमे लोग

सड़क किनारे बोरे में लाश देख लोग सहम गए। पुलिस के अनुसार, 11 अप्रैल की सुबह सागर-बंडा मार्ग पर कर्रापुर में राजा ढाबा के पास सड़क किनारे एक बोरा लावारिस पड़ा था। बोरे पर बाहर खून लगा था। सूचना पर कर्रापुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। बोरे का मुंह साड़ी फाड़कर बांधा गया था, इसलिए लोग इसे महिला की लाश मान रहे थे। पुलिस ने बोरा खोला तो उसमें एक व्यक्ति की लाश निकली। शव के पास कोई पहचान पत्र नहीं मिला। गर्दन कटी थी और शरीर पर कई धारदार हथियार के घाव थे। आसपास खून नहीं होने से पुलिस ने माना कि हत्या कहीं और हुई थी। लाश को यहां सड़क किनारे ठिकाने लगाया गया था।

12 साल की बेटी इंतजार करती रही, लेकिन वह नहीं लौटा

पुलिस ने पंचनामा बनाकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक की पहचान चुनौती थी। थानों और सोशल मीडिया पर फोटो पोस्ट की गई। फोटो परिजन तक पहुंची तो वे थाने पहुंचे। उन्होंने महेंद्र अहिरवार (44) निवासी भेड़ा के रूप में शिनाख्त की। परिवार ने बताया कि वह 10 अप्रैल को घर से कुछ देर में आने का कहकर निकला था। पत्नी और 12 साल की बेटी इंतजार करते रहे, लेकिन वह नहीं लौटा।

परिजन ने गांव के लोगों पर हत्या का शक जताया

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए परिजनों ने चक्काजाम किया। उन्होंने गांव के कुछ लोगों पर हत्या का संदेह जताया। पुलिस ने परिवार और ग्रामीणों से पूछताछ की। लोगों ने अफेयर की शंका में गांव की एक महिला का नाम लिया। पुलिस ने संदेह के आधार पर महिला और उसके परिवार की जांच शुरू की। 12 अप्रैल को दो संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। उन्होंने जुर्म कबूल किया, लेकिन पुलिस को गुमराह करते रहे। सख्ती के बाद हत्याकांड का खुलासा हुआ।

प्रेमिका की मुंहबोली बहन ने कॉल कर बुलाया

पुलिस जांच में सामने आया कि महेंद्र की लीला से दोस्ती थी। इसकी भनक लीला के पति हरिशंकर अहिरवार को लग चुकी थी। यह बात धीरे-धीरे गांव तक पहुंच गई। बदनामी के कारण हरिशंकर और उसका परिवार गुस्से में था। हरिशंकर ने महेंद्र को पत्नी से दूर रहने को कहा था, लेकिन महेंद्र ने बात को गंभीरता से नहीं लिया। इसी नाराजगी में हत्याकांड किया गया। 10 अप्रैल को महेंद्र घर लौटा ही था कि फोन बजा। कॉल लीला की मुंहबोली बहन शारदा का था। महेंद्र ने हैलो कहा तो उधर से शारदा बोली— तुमसे मिलना है, सागर के राजीव नगर मेरे घर आ जाओ। दीदी भी यहीं आई है। उसकी बातों में आकर महेंद्र जाने को राजी हो गया। वह तैयार हुआ और कुछ देर में आने की बात कहकर सागर निकल गया। राजीव नगर पहुंचने पर घर में शारदा और लीला मिली।

खाना खाते समय बहस, गणेश ने गर्दन पर वार किया

बातचीत के दौरान लीला का पति, भाई और बेटा भी आ गए। कुछ देर बाद सभी साथ खाने बैठे। खाना खाते समय बहस हो गई। लीला का भाई गणेश गुस्से में उठा और कुल्हाड़ी से महेंद्र की गर्दन पर वार कर दिया। कुल्हाड़ी लगते ही महेंद्र चीख उठा। खून बहने लगा और वह बदहवास हो गया। जमीन पर गिरने के बाद उस पर फिर कुल्हाड़ी से वार किया गया, जो माथे पर लगा। कुछ ही देर में उसने दम तोड़ दिया। देर रात हुई घटना से पड़ोसी अनजान रहे।

वारदात छिपाने ऑटो में शव रखकर सड़क किनारे फेंका

हत्या के बाद किस्सू बोरा लेकर आया और शव उसमें भरा गया। गणेश अपने भाई भूपेंद्र अहिरवार का इलेक्ट्रिक ऑटो ले आया। किस्सू, शारदा और गणेश शव को ऑटो में डालकर ठिकाने लगाने निकल गए। मोतीनगर होते हुए वे बंडा रोड पहुंचे। रात करीब 2 बजे कर्रापुर के पास सड़क किनारे बोरे में लाश फेंकी और सागर लौट आए। वारदात के बाद रात 4 बजे घर आकर सो गए। पुलिस को भ्रमित करने के लिए लाश सड़क किनारे फेंकी थी।

मैंने कॉल कर बुलाया, गणेश ने कुल्हाड़ी से हत्या की

पुलिस गिरफ्त में आई शारदा अहिरवार ने बताया कि वह हरिशंकर अहिरवार की मुंहबोली साली है। उसकी बहन और महेंद्र के बीच अफेयर था। इससे गांव और समाज में बदनामी हो रही थी। कई बार समझाया, लेकिन उसने नहीं सुना। बदनामी का बदला लेने के लिए जीजा हरिशंकर, भाई और अन्य आरोपियों के साथ हत्या की साजिश रची गई। साजिश के तहत महेंद्र को फोन कर घर बुलाया गया। यहां खाना खाते समय उसकी हत्या की गई। वारदात के समय मौके पर मैं, बहन लीला, उसका पति हरिशंकर, मेरा भाई किस्सू, गणेश और उसका बेटा सत्यम मौजूद थे। महेंद्र पर कुल्हाड़ी से हमला कर उसकी हत्या की गई थी।

मरने के बाद रोटी और ककड़ी उसके हाथ में मिली

आरोपियों ने युवक की इतनी बेरहमी से हत्या की कि वह खाना भी नहीं खा सका। मौत से पहले उसने रोटी तोड़ी थी और ककड़ी उठाई थी। मरने के बाद रोटी और ककड़ी उसके हाथ में मिली। एक निवाला गले में फंसा रहा।

तीन तरीके, जिसने आरोपियों को जेल पहुंचाया

घटनास्थल देखकर पुलिस को संदेह हुआ कि हत्या कहीं और हुई और लाश यहां फेंकी गई। गाड़ी के उपयोग की आशंका थी। पुलिस ने बंडा-सागर मार्ग के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। कई घंटों बाद नीले रंग का इलेक्ट्रिक ऑटो संदिग्ध मिला। टीम बनाकर ऑटो का पता लगाया गया। पुलिस ने मृतक का मोबाइल जब्त कर कॉल डिटेल निकाली। इसमें संदिग्ध नंबरों के साथ शारदा का नंबर भी मिला। जांच और परिजन के बयान के बाद पुलिस टीमों ने निगरानी शुरू की। सर्चिंग में कुछ संदेही गायब मिले, जबकि दो घर पर ही मिल गए। एडिशनल एसपी लोकेश सिंहा ने बताया कि हत्या के बाद शव बोरे में भरकर फेंकने के मामले में शारदा और भूपेंद्र गिरफ्तार हुए हैं। मुख्य आरोपी हरिशंकर, पत्नी लीला, बेटा सत्यम, साला किस्सू और गणेश अहिरवार की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। महेंद्र की हत्या अवैध संबंधों के चलते की गई थी। वारदात में इस्तेमाल किया गया ऑटो जब्त कर लिया गया है।

नरेंद्र फ़सरेंडरफ़ मोदी, आपको US Trade Deal रद्द करने की चुनौती दिए हुए 24 घंटे से ज़्यादा हो गए - आप फिर खामोशी से [illegible] निकल गए।

नेता प्रतिपक्ष-राहुल गांधी

धीरेंद्र शास्त्री बोले-4 बच्चे पैदा करो, एक आरएसएस को दो...

नागपुर में कहा- बंसी बजाने से काम चलता तो महाभारत का युद्ध नहीं होता

न्यूज क्राइम फाइल

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री ने कहा- आप चार बच्चे पैदा करो। उनमें से एक राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ को दे दो ताकि वह दूसरों को बचाने के काम आए। उन्होंने ये बात नागपुर में विश्व के पहले 'भारतदुर्गा मंदिर' के शिलान्यास समारोह में कही। शुक्रवार को हुए इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत भी मौजूद थे। शास्त्री ने कहा- जब कहीं आपदा आती है, तो लोग अपनी जान बचाकर भागते हैं। लेकिन संघ के कार्यकर्ता वहां जाकर लोगों की जान बचाते हैं। उन्होंने कहा- नागपुर के कैंसर इंस्टीट्यूट परिसर में बन रहा भारतदुर्गा मंदिर लोगों को याद दिलाएगा कि भारत शास्त्र और शस्त्र दोनों से चलता है। यह माला और भाला का संगम है। हमारे देवी-देवताओं के हाथों में भी शस्त्र हैं। अगर केवल बंसी बजाने से काम चलता, तो महाभारत का युद्ध कभी नहीं होता।

भारत में नारी को पूज्या माना जाता है

धीरेंद्र शास्त्री ने कहा- दुनिया के किसी अन्य देश में मातृशक्ति को वह सम्मान नहीं मिलता, जो भारत में मिलता है। क्या कभी किसी ने %पाकिस्तान माता% या %चीन माता% की जय सुनी है। केवल भारत ही ऐसा देश है, जहां नारी को भोग्या नहीं बल्कि पूज्या माना जाता है।

हम जल्द ही अखंड भारत की ओर बढ़ें

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर ने कहा कि भूमि पूजन के समय उनकी आंखें नम थीं, क्योंकि अब भारत नया इतिहास लिखने जा रहा है। उन्होंने हनुमान जी से प्रार्थना की कि भारत संतमय और भगवामय रहे और हम जल्द ही अखंड भारत की ओर बढ़ें। कार्यक्रम में स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज, कार्ष्णीपीठाधीश्वर पूज्य गोविंद गिरी जी, दीदी मां ऋतम्भरा और चिन्मया मिशन के संतों के साथ-साथ केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद रहे। पं. धीरेंद्र शास्त्री से पहले कथावाचक प्रदीप मिश्रा भी इसी तरह का बयान दे चुके हैं। मिश्रा ने कहा था- सनातनियों को चार बच्चे पैदा करना चाहिए। दो अपने लिए और दो राष्ट्र के लिए। जब तक कानून नहीं आता, तब तक ज्यादा बच्चे पैदा करें। प्रदीप मिश्रा ने ये बात मई 2024 में छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में शिव महापुराण कथा के दौरान कही थी। उन्होंने कहा था- बेटियां लव मैरिज के चक्कर में न पड़ें। आप स्कूल जाएंगी, कॉलेज जाएंगी, ट्यूशन जाएंगी। वहां आपको 100 तरह के लड़के मिलेंगे। मगर इन 100 लड़कों के साथ आप 100 साल की जिंदगी नहीं जी सकते। आपके पापा ढूंढ़कर लाएंगे, उसके साथ जिंदगी 100 साल तक सही जी सकते हैं।

संघ प्रमुख भागवत ने कहा था- 3 बच्चे पैदा करें, जनसंख्या में कमी चिंता का विषय

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत भी ज्यादा बच्चे पैदा करने पर बयान दे चुके हैं। उन्होंने कहा था- जनसंख्या वृद्धि दर 2.1त्न से नीचे नहीं होनी चाहिए। इसके लिए 2 की बजाय 3 बच्चे पैदा करें। यह संख्या इसलिए जरूरी है, ताकि समाज जिंदा रहे। भागवत ने दिसंबर 2024 में नागपुर में कठाले कुल सम्मेलन में कहा था- देश की जनसंख्या नीति 1998-2002 में तय की गई थी। इसके अनुसार अगर किसी समाज की जनसंख्या वृद्धि दर 2.1 से नीचे चली जाती है, तो वह समाज अपने आप नष्ट हो जाएगा।

रामेश्वर शर्मा का बयान- हर हिंदू को तीन बच्चे पैदा करना चाहिए

जनवरी 2026 में हुजूर से बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा था- संघ, संतों और वरिष्ठ नागरिकों की चिंता उचित है कि हिंदुओं के दो से अधिक बच्चे होना चाहिए। उन्होंने कहा था- हिंदू शादी लेट कर रहे हैं। इस कारण कुटुंब के कुटुंब खत्म होते जा रहे हैं। तीन बच्चे होंगे तो उसमें बेटी का भी जन्म हो जाएगा। वह किसी की बेटी, बहू, बुआ, मामी, मौसी बनेगी। जो पांच से पच्चीस बच्चे पैदा कर रहे हैं, उनसे हिन्दुस्तान को बचाने के लिए भी तीन बच्चे पैदा करना जरूरी है। तीन बच्चे तो हर हिंदू को अनिवार्य रूप से पैदा करना ही चाहिए।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव को राजस्थान के कोटा के रींछि में मुल पंचायत यदुवंशी अहीरान् एवं यदुवंशी मुल्की अहीर समिति के सामूहिक विवाह सम्मेलन में सम्मानित किया गया।

देवास विधानसभा क्षेत्र की विधायक, बहन श्रीमती गायत्री राजे पवार जी की सुपुत्री के विवाह समारोह में सहभागिता कर नवदम्पति सुखमय एवं समृद्ध वैवाहिक जीवन की मंगलकामनाएँ प्रेषित कीं।

डिप्टी सीएम मप्र- जगदीश देवड़ा

खंडवा की फैक्ट्री में 138 मवेशी काटे; घूमकर लौट आती थीं निगम-पुलिस की टीमें

आइसक्रीम में जानवरों की चर्बी, मजिस्ट्रेट को घूस का ऑफर

न्यूज क्राइम फाइल

खंडवा के इमलीपुरा में जानवरों की चर्बी की फैक्ट्री चलाने वाले अनवर कुरैशी को शुक्रवार को पशु परीक्षण एक्ट में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। प्रशासन उस पर रासुका लगाने की तैयारी कर रहा है। मोघट रोड थाना पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि मवेशियों की चर्बी होटल-ढाबों, आइसक्रीम फैक्ट्री और कपड़ा मिलों में सप्लाई हो रही थी। यानी इससे बने घी को आइसक्रीम बनाने में भी इस्तेमाल किया जा रहा था। आरोपी के परिवार में उसके तीन सगे भाई वकील हैं। ऐसी बात भी सामने आई है कि कार्रवाई के दौरान उन्होंने सिटी मजिस्ट्रेट को फर्जी दस्तावेज दिखाकर रिश्वत देने की कोशिश की।

ढाबों और आइसक्रीम बनाने में भी चर्बी का इस्तेमाल

आरोपी ने बताया कि घी जैसा दिखने वाला तेल बुरहानपुर के एक कपड़ा उद्योग में सप्लाई होता था। इसका उपयोग कॉटन से कपड़ा और धागा बनाते समय फिनिशिंग में किया जाता था। यह चर्बी ढाबों और आइसक्रीम बनाने में भी इस्तेमाल हो रही थी।

138 मवेशी काटे गए, चमड़ा गलाने में मिला सरकारी नमक

मौके से सरकारी राशन दुकान का नमक बड़ी मात्रा में मिला, जिसकी जांच के लिए खाद्य एवं आपूर्ति विभाग को बुलाया गया। डॉ. नवीन तिवारी ने बताया कि इस नमक से चमड़ा पिघलाकर चर्बी बनाई जाती है। एक जानवर से करीब 10 किलो चर्बी निकलती है। 1380 किलो चर्बी मिलने के आधार पर 138 जानवर काटे जाने का अनुमान है।

मजिस्ट्रेट से कहा कि फीस लेकर कार्रवाई रोक दें

आरोपी के तीनों भाई वकील हैं। उन्होंने फर्जी लाइसेंस और अनुमति के दस्तावेज दिखाकर मजिस्ट्रेट से कहा कि फीस लेकर कार्रवाई रोक दें। सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर ने बताया कि गुरुवार रात 11 बजे शिकायत मिली थी। वे शुक्रवार सुबह सीएसपी अभिनव बारंगे के साथ मौके पर पहुंचे और शिकायत सही पाई। इसके बाद डिप्टी कमिश्नर सचिन सिटोले को बुलाया गया। इस दौरान वकील भाइयों ने विरोध किया, लेकिन उन्हें हटाया गया और प्रलोभन देने की कोशिश भी हुई।

नगर निगम कर्मचारी फिनायल छिड़ककर लौट जाते थे

जांच में सामने आया कि नगर निगम और पुलिस को इस अवैध कारोबार की जानकारी थी। शिकायत पर टीम आती थी, लेकिन इसे वैध बताकर केवल फिनायल छिड़ककर लौट जाती थी। 2017 में एसपी रुचिवर्धन मिश्र के नेतृत्व में इसी मकान से 3 डंपर खालें मिली थीं। कार्रवाई के बाद एक साल काम बंद रहा, फिर अवैध धंधा शुरू हो गया।

3,350 लीटर घी जब्त हुआ था, लैब रिपोर्ट का इंतजार

गुरुवार की कार्रवाई में 69 टीन और 9 ड्रमों में 3,350 लीटर चर्बी, 4 ट्रक खाल और 3 ट्रक अवशेष मिले थे। 2015 से चल रही इस फैक्ट्री पर विधायक कंचन तनवे ने गोवंश हत्या के आरोप लगाए हैं। सैंपल लैब भेजे गए हैं, रिपोर्ट के बाद प्रजाति स्पष्ट होगी। सप्लाई चेन की जांच के लिए जीएसटी और पशुपालन विभाग भी जुटे हैं।

बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम ने किए महाकाल के दर्शन: सपत्नीक भस्म आरती में भी हुए शामिल, बोले- हर बिहारी का गौरव बना रहे

न्यूज क्राइम फाइल

बिहार सरकार के पूर्व उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा शनिवार तड़के उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने सपत्नीक भस्म आरती में शामिल होकर भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया।

नंदी हॉल में बैठकर किए दर्शन

विजय कुमार सिन्हा सुबह करीब चार बजे मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने नंदी हॉल में बैठकर भस्म आरती के दर्शन किए और भगवान महाकाल का स्मरण किया। आरती के बाद उन्होंने नंदी जी का पूजन-अभिषेक कर कान में अपनी मनोकामना भी कही। सिन्हा ने मंदिर के चांदी द्वार से भगवान महाकाल को जल अर्पित किया। इस दौरान पुजारियों ने विधि-विधान से उनका पूजन-अभिषेक कराया।

सिन्हा बोले- महाकाल की कृपा बनी रहे

दर्शन के बाद उन्होंने कहा कि कालों के काल महाकाल की नगरी उज्जैन में सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव हुआ। उन्होंने भगवान से प्रार्थना की कि हर बिहारी का गौरव बना रहे, सभी स्वस्थ रहें और महाकाल की कृपा सब पर बनी रहे।

इंटीग्रेटेड फार्मिंग वही खेत, वही मेहनत
लेकिन कमाई कई गुना ज़्यादा।
किसान की आय बढ़ाने का स्मार्ट मॉडल।
शिवराज सिंह चौहान-केंद्रीय कृषि मंत्री

आप के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा भाजपा में शमिल...

10 में से 7 सांसद साथ, अशोक मित्तल ने आप छापे के 10वें दिन भाजपा जॉइन की

न्यूज क्राइम फाइल

आम आदमी पार्टी के 10 राज्यसभा सांसदों में से 7 सांसदों ने पार्टी छोड़ दी है। इसका ऐलान पंजाब से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने शुक्रवार शाम को 4 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया। इसके बाद वह भाजपा कार्यालय पहुंचे, जहां राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने राघव के साथ संदीप पाठक और अशोक मित्तल को पार्टी की सदस्यता दिलाई। राघव ने बताया कि राज्यसभा सांसद संदीप पाठक और अशोक कुमार मित्तल के अलावा हरभजन सिंह, विक्रमजीत सिंह साहनी, स्वाति मालीवाल, राजेंदर गुप्ता भी हमारे साथ हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनके साथ संदीप पाठक और अशोक मित्तल भी मौजूद थे। अशोक मित्तल लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के चेयरमैन हैं और जालंधर में उनके घर 10 दिन पहले (15 अप्रैल) को श्रष्ठ ने छापेमारी की थी। बाकी चार सांसद अभी सामने नहीं आए हैं। स्वाति मालीवाल ने पोस्ट करके कहा- मैं इटानगर में हूं। शाम को दिल्ली लौटकर बात करूंगी। पंजाब में 2027 में विधानसभा चुनाव हैं।

राघव ने 2 साल पहले दिए थे अलगाव के संकेत

राघव बोले- दलबदल कानून नहीं लगेगा

राघव ने बताया कि पार्टी के दो-तिहाई सांसदों ने यह फैसला लिया। इसलिए दलबदल कानून लगने का कोई मतलब नहीं है। राघव चड्ढा ने कहा पिछले कुछ सालों से, मुझे यह महसूस हो रहा था कि मैं गलत पार्टी में सही आदमी हूं। हमने यह फैसला किया है कि हम संविधान के प्रावधानों का इस्तेमाल करते हुए खुद को भाजपा में मिला लेंगे।

21 मार्च 2024 को लोकसभा चुनाव से पहले जब शराब घोटाले में केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया। तब राघव ने न कुछ बोला, न सोशल मीडिया पर कुछ लिखा। फरवरी-2025 में दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजे आए, तो AAP को करारी हार मिली। पार्टी को सिर्फ 22 सीटें मिलीं जबकि BJP ने 48 सीटें जीतकर सरकार बनाई। तब भी राघव चुप्पी साधे रहे। AAP के किसी कार्यक्रम में नहीं दिखे। 2025 की शुरुआत में ही राघव के सोशल मीडिया अकाउंट से AAP का बैनर और चुनाव निशान हटने लगे। AAP के अंदर चर्चा होने लगी कि राघव पार्टी के बजाय पर्सनल ब्रांडिंग पर फोकस कर रहे हैं। वह न पार्टी दफ्तर आते हैं, न किसी नेता से मिलते हैं। 27 फरवरी 2026 को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने केजरीवाल, मनीष सिसोदिया सहित बाकी आरोपियों को शराब घोटाले में CBI के मामले से बरी कर दिया। AAP ने इस का जश्न मनाया, लेकिन राघव नदारद रहे।

अमेरिका-ईरान जंग छिड़ने के बाद राघव चड्ढा ने पार्टीलाइन पर संसद में बोलने से इनकार कर दिया। हाल में जब पार्टी व्हिप के तहत, क्क सांसदों ने वॉकआउट किया, तब राघव सदन में ही मौजूद रहे।

7 महीने प्रेग्नेंट नाबालिग को अबॉर्शन की इजाजत: सुप्रीम कोर्ट बोला- यह महिला की इच्छा का सवाल, उसे डिलीवरी के लिए मजबूर नहीं कर सकते

न्यूज क्राइम फाइल

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सात महीने से ज्यादा की प्रेग्नेंट 15 साल की लड़की को मेडिकल टर्मिनेशन (अबॉर्शन) की इजाजत दी। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने कहा- यह जन्म लेने वाले बच्चे का सवाल नहीं है। जरूरी यह है कि लड़की क्या चाहती है। अगर वह बच्चे को जन्म नहीं देना चाहती तो उसे मजबूर नहीं किया जा सकता। भले ही बच्चे को जन्म के बाद गोद देने का ऑप्शन मौजूद हो। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मेडिकल रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा था कि इस स्टेज पर अबॉर्शन करना मां और बच्चे दोनों के लिए जोखिम भरा हो सकता है। उन्होंने डिलीवरी के बाद बच्चा गोद देने का सुझाव दिया था। कोर्ट ने उसे खारिज कर दिया। लड़की एक नाबालिग लड़के के साथ आपसी सहमति से संबंध के बाद प्रेग्नेंट हुई थी। नाबालिग की मां ने मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट में तय समयसीमा से आगे जाकर बेटी के अबॉर्शन की इजाजत मांगी थी।

लड़की ने भी कहा था कि वह प्रेग्नेंसी जारी नहीं रखना चाहती।

वकील ने बताया- प्रेग्नेंसी से तनाव में नाबालिग

याचिकाकर्ता की ओर से वकील ने कहा गया कि इस प्रेग्नेंसी ने नाबालिग को गंभीर मानसिक तनाव दिया है और उसकी पढ़ाई पर भी असर पड़ा है। कोर्ट को बताया गया कि नाबालिग में पहले से ही गंभीर मानसिक तनाव के संकेत दिख रहे हैं। वह आत्महत्या की कोशिश भी कर चुकी है। सॉलिसिटर जनरल ने कहा था कि बच्चे को सेंट्रल अडॉप्शन रिसोर्स अथॉरिटी के जरिए गोद दिलाने की व्यवस्था की जा सकती है, जिससे लड़की और उसके परिवार की पहचान सुरक्षित रहे। उन्होंने नाबालिग को आर्थिक मदद की पेशकश भी की। हालांकि जस्टिस नागरत्ना ने इस तर्क पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि कोर्ट महिलाओं को अबॉर्शन के बजाय उनके लिए आर्थिक मदद या गोद लेने जैसे विकल्पों पर निर्भर रहने के लिए मजबूर नहीं कर सकती।

कोर्ट बोला- महिला को प्रजनन संबंधी फैसले लेने की आजादी

कोर्ट ने कहा, 'किसी महिला, खासकर नाबालिग, को इच्छा के खिलाफ प्रेग्नेंसी पूरा करने के लिए मजबूर करना उसके मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल सकता है। इसलिए उसकी इच्छा का सम्मान करना जरूरी है।' कोर्ट ने कहा कि प्रजनन संबंधी फैसले लेने का अधिकार व्यक्तिगत स्वतंत्रता और गरिमा का हिस्सा है। इसलिए गोद देने का विकल्प किसी महिला को जबरन बच्चे को जन्म देने के लिए मजबूर करने का आधार नहीं बन सकता। कोर्ट ने कहा कि अगर अदालतें अनचाही गर्भावस्था को जारी रखने पर जोर देंगी, तो महिलाएं अवैध अबॉर्शन सेंटर्स का सहारा लेने या छिपकर गर्भपात कराने को मजबूर हो सकती हैं।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक उदय प्रताप सिंह चौहान द्वारा कविता ऑफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- उदय प्रताप सिंह चौहान, मो.7223003441 (प्रति सोमवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2015/63623